Baba’s Praise

15/2/2015

- यह **अलौकिक जन्म बाप का भी न्यारा** है तो आप बच्चों का भी न्यारा और प्यारा है । यह **एक ही बाप है जिसका ऐसा जन्म वा जयन्ती है** जो और किसी का भी ऐसे जन्म दिन न हुआ है, न होना है । **निराकार और फिर दिव्य जन्म;** और सभी आत्माओं का जन्म अपने-अपने साकार शरीर में होता है लेकिन निराकार **बाप का जन्म परकाया प्रवेश से** होता है ।

- **सिर्फ इसी जयन्ती को हीरे तुल्य जयन्ती** कहते

- दाता बनो । लेवता नहीं, दाता । कोई कुछ भी दे, अच्छा दे वा बुरा भी दे लेकिन आप **बड़े ते बड़े बाप** के बच्चे बड़ी दिल वाले हो, अगर बुरा भी दे दिया तो बड़ी दिल से बुरे को अपने में स्वीकार न कर दाता बन आप उसको सहयोग दो, स्नेह दो, शक्ति दो ।

- इस संगम के समय को वरदान मिला है जो चाहे, जैसा चाहे, जितना चाहे उतना भाग्य बना सकते हैं । क्योंकि **भाग्य विधाता बाप** ने तकदीर बनाने की चाबी बच्चों के हाथ में दी है ।